

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



फोन:- 2418945 फैक्स:- 0294-2410146

वर्ष: 29 संख्या: 199 प्रभात

उदयपुर, सोमवार 23 मई, 2022

आर.जे. 7202

पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.



एक समय इन्हें 'एमेज़ॉन्स ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री' कहा जाता था। ऐसी उग्र महिलाओं का एक गोपनीय युग सायेम (आज का थाइलैण्ड) के साप्राज्ञय में बेहद शक्तिशाली था। ये महिलाओं किंग आफ सायेम की बांडी गाइस थीं। सन् 1688 में, किराए के 600 यूरोपीय सैनिकों तथा ईसाई समुद्राई फौज के स्थान पर इस समूह ने कर्मन संभाली थी और इस समूह के सदस्यों की जिम्मेवारी थी, राजपरिवर तथा फैलेस ग्राउंड्स की सुरक्षा सुनिश्चित करना। दृष्टान्तालीपीडिया ऑफ एमेज़ॉन्स (वीरागनाटु) की लेखक, जैसिका सामनसन इन्हें, सायेम की 'बैर्ट ट्रैन फोर्स' कहती हैं। 'क्रोम वर्लेन' नाम के इस समूह में 400 महिलाओं थीं। इन्हें सो-नो गाइस की चार बटालियन में बांटा गया था। बटालियन की फैलन भी महिला ही रही थी। कैप्टन बरदलने का काम राजा चुलालोगोर्न न्यर्वन देखते थे। तेरह वर्ष की उम्र में, समूह में दाखिल होकर, 25 वर्ष की उम्र तक ये महिलाओं से भर्ती हो जाती थीं। उसके बाद वो रॉयल गार्ड का हिस्सा बन जाती थीं। फैलेस में प्रेसेस करने के बाद इन महिलाओं को 'स्टील' का प्रण लेना होता था। इस शर्त से निकलने का कोर्ट रास्ता नहीं था। अब अगर राजा का दिल किसी महिला गार्ड पर आ जाए, तो बात अलग थी। इस युग की हर सदस्य को खूबसूरत तथा बलवान होना ज़रूरी था। बायन के बाद ये अपि उत्कृष्ट यूनिफॉर्म में राजमहल में घूमती नज़र आती थीं। छुट्ठों तक लंबी ऊँची पैशें, जिन पर सुनहरे धागे से कुर्कुत की हुई होती थीं तथा सोने का मुलमा चढ़ा द्वारा थिरसाणा इनका पहनावा था। राज्य समारोहों के समय शक्तियां को रूप में बैरां-बल्लंग लेती थीं। अन्यथा, हर समय इनके हाथों में बूद्धु हाती थीं, जिसे चालने के लिए इन्हें प्रशिक्षण दिया जाता था और इनके कोशल असाधारण होती थी। साताह में दो बार इन्हें प्रशिक्षण दिया जाता था। राजा और उनका भाई महिला महिला में एक बार व्यक्तिगत रूप से इस प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण करते थे। सायेम का राजा अपनी महिला बैर्डीगाइड्स के बिना कहीं नहीं जाता था। सभी वीरागनाओं का एक ही लक्ष्य व कर्तव्य - राज्य। इसलिए, हर महिला गार्ड के लिए पांच महिलाएं नियुक्त की जाती थीं जो उनके घर का कामकाज संभालती थीं। किसी भी तरह की कोर्ट और ड्यूटी नहीं होने के कारण ये वीरागनाटुं 'गार्ड व रक्षक' के अपने कर्तव्य पर पूरा फोकस रखती थीं। उन्हीं सबीं में भर्ती होने वालों की संख्या कम होती गई इसलिए इस समूह को भग कर दिया गया।

सऊदी अरब में 25 भारतीय नागरिकों सहित कुल 35 लोगों को बंधक बनाया

राजस्थान निवासी एक भारतीय नागरिक की हालत गंभीर, भोजन पानी के लिए भी तरसे

बुंदी, 22 मई। सऊदी अरब के बंबू शहर में 25 भारतीय नागरिकों सहित कुल 35 लोगों को बंधक बनाये का मामला सामने आया है। इनमें से राजस्थान के टोके जिले के निवासी सोहनलाल बाप्ता की स्थिति गंभीर बनी हुयी है। सोहनलाल का पासगोर्न नम्बर 5850453 है। बंधक बनाने के बाद सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल को इलाज नहीं किया गया। बहुत ज्यादा स्थिति बिगड़ने के बाद अब सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंबू के सोहनलाल बाप्ता की स्थिति गंभीर बनी हुयी है। जब उसकी भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय नागरिकों की तलाल शाश्री सउदी अरब से भर्ती करवाकर भावान भरोसे छोड़ दिया गया है। वह अंधीरे दिश्यत में सरदी अरब के बंधक बनाने की तबियत बिगड़ गयी थी। लेकिन निर्देशात्मक कई दिनों तक सोहनलाल की तबियत बिगड़ गयी थी। विदेश सोहनलाल में विदेशी याचिका दायर कर और जयशंकर के नाम अधिकृत शिक्षायत दर्ज करवाकर केंद्र सरकार से सभी भारतीय

